बही नं० ३

R-3-49-6000-Printing Service Co., Simla

कीमत अस्टाम्प और नकल इबारत जहरी जो दफ़्तर रजिस्टरी में हुई	नम्बर शुमार इन्द्राज व किस्म दस्तावेज़	नकल दस्तावेज़
4-2-86 वसीयतनामा Judicial paper किता 3 का कुल कीमत 50 रुपये हाज़िर है। उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) तहसील चुराह 4-2-86 वसीका वसीयतनामा आज मिति 4-2-86 बरोज़ मंगलवार बवक्त 2.30 व 3 बजे दिन श्री शामा पुत्र हीरा निवासी कुठेड़ोलू परगना बदनौता ने स्वयं हाज़िर दफ्तर सब-रजिस्ट्रार चुराह मकाम तीसा वास्ते रजिस्ट्री पेश हुआ। वसीका दुरुस्त है, रजिस्ट्री हेतु स्वीकृत किया गया। ह० शर्मा उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) तहसील चुराह 4-2-86 मज़मून वसीका वसीयतनामा इजा ताक अहाल पढ़कर श्री शामा	नं० 25 वसीयतनामा फीस = 50.00 रु = 2.00 52.00 अलफाज़ 340	(वसीहयतनामा) मनकि शामा पुत्र हीरा निवासी ग्राम कुठेड़ोलू परगना बदनौता तहसील चुराह ज़िला चम्बा उम्र 80 साला हूं। जोकि वाक्य महाल सनवाल में मुकर जायदाद मनकूला व गैरमनकूला का मालक व काबज हूं। मुकर की अपनी कोई औलाद नरीना व मदीना नहीं है। अपना कोई भी सेवा करने वाला नहीं है खुद मुकर बहुत बृद्ध उमर 80 साल का हो चुका है। श्री अजा पुत्र बलू निवासी ग्राम कुठेड़ोलू परगना बदनौता जो मेरा भतीजा लगता है छोटी उमर से मुकर ने इसे पाला पोसा है अब वह नौजवान होकर मेरी हर प्रकार की टैहल सेवा खिदमत कर रहा है। मुकर अजा की टैहल सेवा पर बहुत खुश हूं और मुकर को पूरा विश्वास है कि श्री अजा आइन्दा भी मेरी टैहल सेवा व खिदमत इसी प्रकार करता रहेगा। चूंकि मुकर जायदाद मनकूला वाक्य महाल सनवाल परगना बदनौता में जायदाद मनकूला व गैर मनकूला का मालक व काबज है मुकर नहीं चाहता कि बाद वफात मुकर मेरी जायदाद के बारा अदालतों में मुकदमे चलें और तमाम जायदाद मुकदमा बाज़ी में खर्च हो जावे। और श्री अजा की टैहल सेवा का बोझ मेरे सिर पर रह जावे जिसका खमयाज़ा मुकर को अगले जहान में बुरा भुगतना पड़े। चूंकि मुकर जायदाद मनकूला व गैर मनकूला का मालक व काबज हूं और मसमत जायदाद को हर प्रकार से मुन्तकिल करने के मुकर को अधिकार है। अतः मुकर अपनी होश हवास

क़ीमत अस्टाम्प और नक़ल इबारत जहरी जो दफ्तर रजिस्ट्री में हुई ।	नम्बर शुमार इन्द्राज व क़िस्म दस्तावेज़	नकल दस्तावेज़
मुर्शी को पढ़कर सुनाया व समझाया गया जिसे अपने मुआफिक तसदीक व तसल्लीम किया और तहरीर दस्तावेज मे कबूल किया। मुर्शी की गवाहान हाशिया वसीयतनामा सर्वश्री तोता व सौदागर ने शनाख्त किया। इन सब की शनाख्त श्री बृजलाल प्रधान ग्राम पंचायत सनवाल पट्टी बड़नौता ने की। गवाह प्रधान को मैं स्वयं जानता हूं अतः दस्तावेज रजिस्ट्री किया गया।		तमाम हुआसतो अववाल के बिला तरगीब गैरो अपने दिमाग की सोच बिचार शक्ति से तन्दुरुस्त हालत मे अपनी जायदाद वाक्य महाल सनवाल पट्टी बड़नौता मन्कुला व गैर मन्कुला की वसीहयत आज की तारीख से बनाम अजय पुत्र बलु भतीजा खुद करता हूं और लिख देता हूं कि तमाम जायदाद वसीहयत शुदा ताहियात मुकर मेरे कब्जा व तसर्रुफ में रहेगी बाद वफात मुकर की अजय तमाम जायदाद वसीहयत शुदा का बाकायल मुकर कामिल मालक व काबज तसर्रुफ होगा अन्य किसी भी मेरे नजदीकी हकदार बाज वरसात का अराजी वसीहयत शुदा पर कोई हक तअल्लक न होगा। बाद वफात मुकर मेरी तमाम रसूमात मरग भी श्री अजय मुर्शी अलैह ही करेगा। अतः यह वसीहयतनामा रूबरू गवाहान हाशिया लिख दिया कि प्रमाण रहे। तारीख 4-2-86.

द. मुर्शी

द. गवाह I

द. गवाह II

द. गवाह प्रधान

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) तहसील पुरोला

गवाह शुद
तोता पुत्र सावन
सनवाल
0 अंगूठा निशान

हस्ताक्षर
सिमाना मुर्शी
0 अंगूठा निशान

गवाह शुद
सौदागर पुत्र काशी
सनवाल बड़नौता
0 अंगूठा निशान

मोहर
G.S. Malwaria
No. 158
dt. 4-2-86
Sd/- Gian Singh
P.W.

4.2.86 प्रमाणित किया जाता है कि वसीका की तसदीक इक़बाल पर मुर्शी तथा गवाहान ने अपने हस्ताक्षर मेरे समक्ष किए।

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) तहसील पुरोला

यह वसीका क्रम संख्या 25 B 1703 जिल्द 6 .... के पृष्ठ 229 (पर दूसरे)........ पर आज दिनांक 4.2.86 को पंजीकृत हुआ 2.30

उप-रजिस्ट्रार
4.2.86